एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उ0प्र0,
लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ।

1. संस्थान का विवरण/कार्यकलाप :

एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उ0प्र0 की स्थापना वर्ष 1991 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गयी थी। पूर्व में इस संस्थान द्वारा वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण (मैकेनिकल स्ट्रीम) में 20 प्रवेश क्षमता के साथ त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान किया जा रहा था। वर्ष 2009 में मैकेनिकल स्ट्रीम में प्रवेश क्षमता 20 के स्थान पर 30 कर दी गयी। वर्ष 2011–12 से वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण (एविऑनिक्स स्ट्रीम) भी 30 प्रवेष क्षमता के साथ प्रारम्भ किया गया है तथा जुलाई 2017 से हेलीकाप्टर एंव पावरप्लांट का पाठ्यक्रम भी 30 प्रवेष क्षमता के साथ प्रारम्भ किया जा रहा है।

यह संस्थान प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण में त्रिवर्षीय डिप्लोमा प्रदान करता है। प्रशिक्षार्थियों को प्राविधिक शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित परीक्षाओं के उत्तीर्ण होने के बाद प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 का डिप्लोमा प्रदत्त किया जाता है।

तीनों त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, भारत सरकार तथा महानिदेषक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। साथ ही ये पाठ्यक्रम नेषनल बोर्ड आफ एक्रीडीटेषन, नई दिल्ली द्वारा एक्रीडीटेड है।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम ऐसा है जिससे विद्यार्थी त्रिवर्षीय डिप्लोमा के साथ–साथ महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित Aircraft Maintenance Engineering (AME) की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर लेते हैं। इसी प्रयोजनार्थ यह संस्थान महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा भी अनुमोदित है और इस संस्थान में प्रशिक्षणार्थी छात्र/छात्राएं प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त त्रिवर्षीय डिप्लोमा के साथ–साथ समानान्तर रूप से महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित उक्त AME हेतु आयोजित परीक्षाओं में प्रतिभाग करने के लिए भी अर्ह हैं। संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता अत्यंत ही उच्चकोटि की है, जिसके कारण संस्थान वायुयान अनुरक्षण के क्षेत्र में अपना विशेष स्थान रखता है।

संस्थान की वर्तमान प्रवेश क्षमता मेकेनिकल स्ट्रीम हेतु 30 छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष है तथा एवियॉनिक्स स्ट्रीम हेतु भी 30 छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष है। आगामी सत्र जुलाई,2017 से वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण (हेलीकाप्टर एंव पावरप्लांटस्) में पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जा रहा है जिसमें 30 छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष प्रवेष क्षमता होगी। फलस्वरूप संस्थान की कुल क्षमता 30+30+30=90 छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष तथा तीनों वर्षों को मिलाकर कुल संख्या–270 हो जायेगी। छात्राओं के लिये 20 प्रतिषत सीट आरक्षित हैं।

संस्थान में प्रवेश हेतु प्रवेष परीक्षा का आयोजन संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता भौतिकी, रसायन एंव गणित विषयों के साथ इण्टरमीडियट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा भौतिकी, रसायन एंव गणित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंको का होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी को शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए, कोई विकलांगता नहीं होनी चाहिए एंव ऑख में कलर ब्लाइन्डनैस नहीं होनी चाहिए।

छात्र/छात्राओं को प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित डिप्लोमा परीक्षा उत्तीर्ण करने पर ही परिषद द्वारा डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। ये परीक्षायें सेमेस्टर आधार पर होती हैं। जो छात्र महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिये अर्ह होते हैं, वे इन परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। ये परीक्षायें वर्ष में तीन बार आयोजित की जाती हैं।

2. संस्थान में निर्णय लेने की प्रकिया

(क) प्रवेश हेतु :–

संस्थान में उपरिलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया जाता है। प्रवेश हेतु प्रवेष परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद उ0प्र0 द्वारा आयोजित की जाती है। उक्त प्रवेश परीक्षा में भारत के सभी नागरिक, जिनके पास निर्धारित न्यूनतम अर्हता है, प्रतिभाग कर सकते हैं। इस प्रवेश परीक्षा के आधार पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की वरीयता सूची संस्थान को उपलब्ध करायी जाती है, जिसके आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है।

(ख) परीक्षाओं हेतुः–

1. डिप्लोमा परीक्षाः–

संस्थान में प्रथम, द्वितीय एंव अन्तिम वर्ष के छात्र/छात्राओं की डिप्लोमा परीक्षा प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा सेमेस्टर बेसिस पे आयोजित की जाती है।

2. लाइसेन्स परीक्षाः–

एयरक्राफट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग लाइसेन्स परीक्षा महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित की जाती है। जो छात्र महानिदेशक नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा निर्धारित अर्हता पूर्ण कर लेते हैं वे इस लाइसेन्स परीक्षा में सम्मिलित होते हैं।

(ग) वित्तीय एंव प्रशासनिक कार्यः–

संस्थान के वित्तीय एंव प्रशासनिक कार्यो का सम्पादन निदेशक, नागरिक उड्डयन, उ0प्र0 जो कि संस्थान के पदेन निदेशक भी हैं, द्वारा वित्त नियंत्रक, उप निदेशक, प्रधान प्रवक्ता/मुख्य प्रवक्ता एंव अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों के सहयोग से किया जाता है।

3. मानकों का विवरण

(क) डिप्लोमा हेतुः–

संस्थान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारत सरकार तथा प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार शिक्षण–प्रशिक्षण कार्य किया जाता है।

(ख) लाइसेन्स हेतु :–

संस्थान महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। अतः महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा सिविल एवियेशन रिक्वायरमेन्ट में जो मानक दिये गये हैं उन्हीं के अनुरूप संस्थान में शिक्षण–प्रशिक्षण कार्य किया जाता है।

(ग) वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्यों हेतु :–

निदेशक संस्थान के विभागाध्यक्ष घोषित हैं और उप निदेशक संस्थान के कार्यालयाध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करते हैं। समस्त वित्तीय एंव प्रशासनिक कार्य सुसंगत शासनादेशों तथा वित्तीय नियम संग्रह में दिये गये मानकों के अनुसार कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

4. संस्थान में अधिकारियों/कर्मचारियों आदि का विवरण :–

संस्थान में शैक्षिक एंव शिक्षणेत्तर अधिकारियों/कर्मचारियों के कुल 35 पद (एक पद अंशकालिक सहित) सृजित हैं।

5. संस्थान में उपलब्ध सूचनाओं का संकलन :–

संस्थान में ट्रेनिंग मैनुअल, इंडियन एयरक्राफ्ट रूल्स, सिविल एवियेशन रिक्वायरमेंट्स तथा शासनादेशें के संग्रह आदि को पेपर के रूप में फोल्डर बनाकर रखा गया है।

6. जनता द्वारा सूचना प्राप्त करने की सुविधा :–

संस्थान में आम जनता को सूचना प्रत्येक कार्यदिवस में कार्यावधि के दौरान उपलब्ध करायी जा सकती है।

7. संस्थान के जन सूचना अधिकारी :–

संस्थान के जन सूचना अधिकारी एंव अपीलीय अधिकारी नामित किये गये अधिकारियों का नाम एंव पदनाम निम्नवत् हैः–

जन सूचना अधिकारी	प्रथम अपीलीय अधिकारी
नाम : डा0 जी0एम0 रहनुमा पदनाम : प्रधान प्रवक्ता एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, उ0प्र0, लखनऊ दूरभाष : कार्यालयः (0522) 2437565 मोबाइल : 8127180085	नाम : श्री नुजहत अली पदनाम : उप निदेषक नागरिक उड्डयन, उ0प्र0, लखनऊ। दूरभाष : कार्यालयः (0522) 2437565 मोबाइल : 9415056048

8. <u>अन्य विवरणः–</u>

(क)	**संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण पाठ्यकम का नाम**	: 1. डिप्लोमा इन एयरक्राफ्ट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग (मैकेनिकल स्ट्रीम) 2. डिप्लोमा इन एयरक्राफ्ट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग (एवियानिक्स स्ट्रीम) 3. डिप्लोमा इन एयरक्राफ्ट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग (हेलीकाप्टर एंव पावरप्लांट स्ट्रीम) (जुलाई,2017 से प्रारम्भ)
(ख)	**संस्थान की प्रवेश–क्षमता**	: 30+30+30=90 छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष।
(ग)	**प्रवेश के लिये वांछित न्यूनतम योग्यता**	: इंटरमीडियट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण भौतिकी, रसायन एंव गणित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी को शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए, कोई विकलांगता नहीं होनी चाहिए एंव ऑख में कलर ब्लाइन्डनैस नहीं होनी चाहिए।
(घ)	**प्रवेश–परीक्षा**	: प्रवेश परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा आयोजित की जाती है।
(ड़)	**क्या महिला अभ्यर्थी पात्र हैं।**	: हॉ, 20 प्रतिशत सीट महिला अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित हैं।
(च)	**आरक्षण**	: उत्तर प्रदेश शासन के नियमानुसार।
(छ)	**प्रशिक्षण–शुल्क**	: वर्तमान में लगभग रू0 12670/– (रूपये बारह हजार छः सौ सत्तर मात्र) प्रतिवर्ष प्रति छात्र/छात्रा है।

(ज) **छात्रावास** : संस्थान में बालक एंव बालिकाओं के लिये अलग–अलग छात्रावास निर्मित हैं। पुरूष प्रशिक्षार्थियों के लिये छात्रावास वर्ष 1992 में बना है जो सेक्टर–एफ, एल0डी0ए0, कानपुर रोड, लखनऊ में स्थित है तथा बालिकाओं के लिये छात्रावास वर्ष 2009–10 में तैयार किया गया है जो हिन्द नगर स्थित नागरिक उड्डयन निदेशालय की आवासीय कालोनी के परिसर में स्थित है। छात्रावास का शुल्क वर्तमान में लगभग रू0 2300/– (रूपये दो हजार तीन सौ मात्र) प्रतिवर्ष प्रति छात्र/छात्रा है।

(झ) **परीक्षायें**:– :

1. छात्र/छात्राओं को प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा डिप्लोमा उत्तीर्ण करने पर ही परिषद द्वारा डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। ये परीक्षायें सेमेस्टर आधार पर होती हैं।

2. जो छात्र/छात्रा महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिये अर्ह होते हैं, वह उन परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। ये परीक्षायें वर्ष में तीन बार आयोजित की जाती है।

3. छात्र/छात्राओं को उक्त परीक्षाओं हेतु परीक्षा शुल्क का भुगतान सम्बन्धित परीक्षा संस्थान को अलग से करना होता है।